सीतामढ़ी में माता सीता की सबसे ऊँची प्रतिमा

चर्चा में क्यों?

- 13 फरवरी, 2022 को रामायण रिसर्च काउंसिल के नेशनल को-ऑर्डिनेटर व जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी वरिंद्रानंद जी महाराज ने माता सीता की विश्व की सबसे ऊँची (251 मीटर) प्रतिमा सीतामढ़ी में स्थापित करने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- काउंसिल ने इसके कार्यान्वयन के लिये श्री भगवती सीता तीर्थ क्षेत्र समिति का गठन किया है जिसका अध्यक्ष स्थानीय सुनील सांसद सुनील कुमार पिंटू को बनाया गया है।
- माता सीता की 251 मीटर ऊँची प्रतिमा के चारों ओर वृत्ताकार रूप में भगवती सीता की 108 प्रतिमाएँ भी स्थापित की जाएंगी जो उनके जीवन-दर्शन को अभिव्यक्त करेंगी। इन प्रतिमाओं के दर्शन के लिये इस स्थल को नौका विहार की तरह विकसित किया जाएगा।
- यहाँ पर भगवती सीता के जीवन दर्शन पर आधारित एक डिजिटल म्यूजियम, शोध संस्थान और अध्ययन केंद्र का भी निर्माण किया जाएगा।
- यहाँ पर तुलसीदास, वाल्मिकी, केवट समेत रामायण के प्रमुख पात्रों की प्रतिमाएँ भी स्थापित होंगी।
- इस अवसर पर माता सीता डॉट कॉम वेबसाइट का शुभारंभ किया गया है जिस पर मंदिर निर्माण से संबंधित कार्य की जानकारी को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।
- सीता कुंड बिहार राज्य में सीतामढ़ी नगर के समीप पुनौरा ग्राम स्थित सीता कुंड एक हिन्दू तीर्थ स्थल है। पुनौरा धाम जानकी कुंड (Punaura Dham Janki Mandir) पौराणिक काल में पुंडरिक ऋषि के आश्रम के रूप में विख्यात था। पुनौरा में ही देवी सीता का जन्म हुआ था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tallest-statue-of-mata-sita-in-sitamarhi